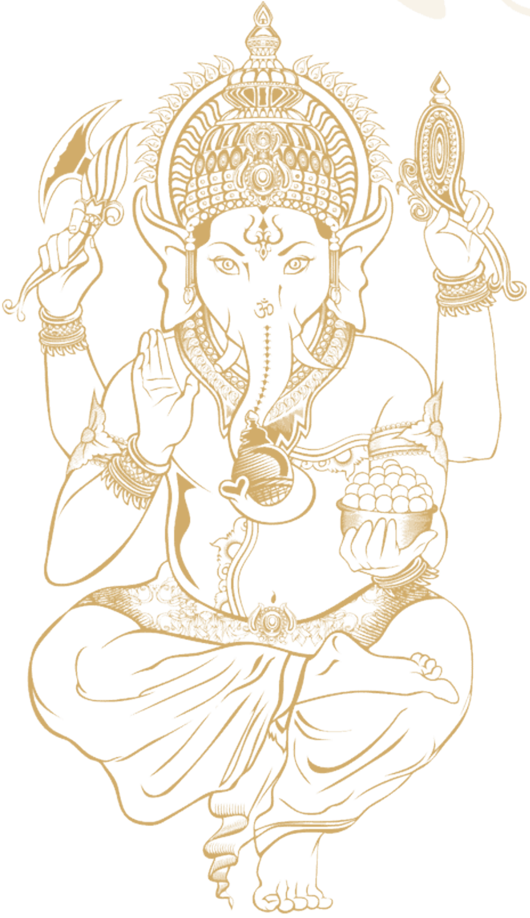

Mr.larki

07 May 2003

12:50 PM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121238602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**07/05/2003**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:50:00 घंटे**
इष्ट	19:13:17 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:59:40 घंटे
वेलान्तर	00:03:25 घंटे
साम्पातिक काल	03:58:35 घंटे
सूर्योदय	05:08:41 घंटे
सूर्यास्त	18:25:35 घंटे
दिनमान	13:16:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	22:26:20 मेष
लग्न के अंश	09:05:26 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:05:26	317:44:22	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			मेष	22:26:20	00:58:05	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	26:24:29	12:30:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
मंगल			मक	15:08:17	00:34:34	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध	व	अ	मेष	22:26:22	00:37:15	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			कर्क	15:49:07	00:05:46	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			मीन	25:00:33	01:12:41	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि			मिथु	02:47:33	00:06:35	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु			वृष	05:36:11	00:01:07	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:36:11	00:01:07	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:31:57	00:01:29	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:15:58	00:00:17	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:32:10	00:01:16	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	07:50:56	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:58

लग्न-चलित

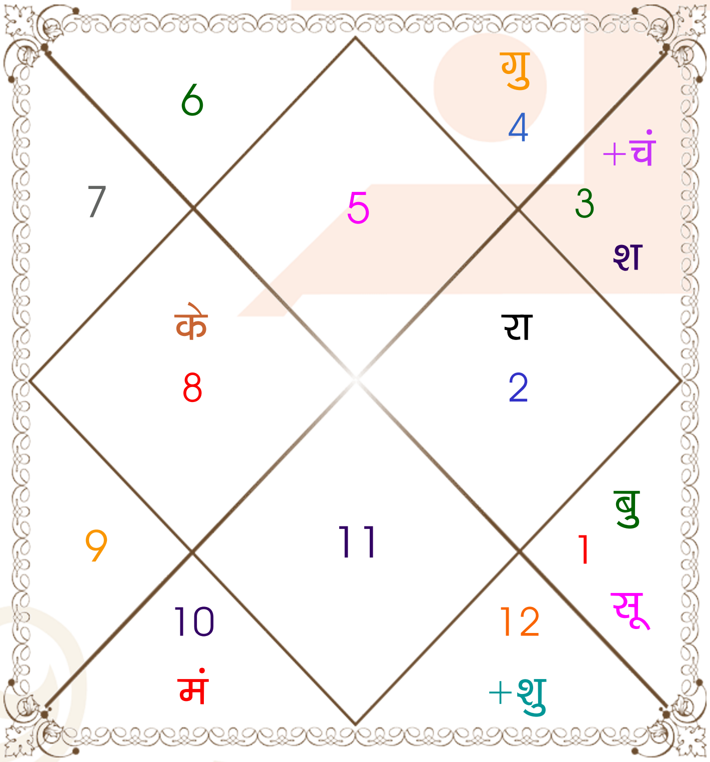

चन्द्र कुंडली

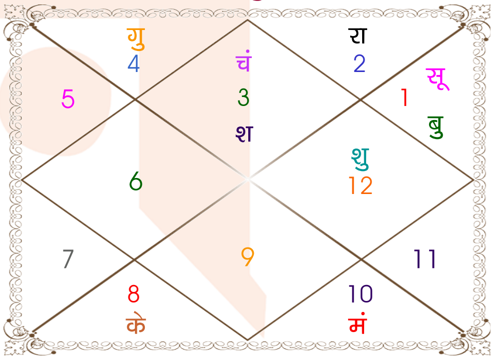

नवमांश कुंडली

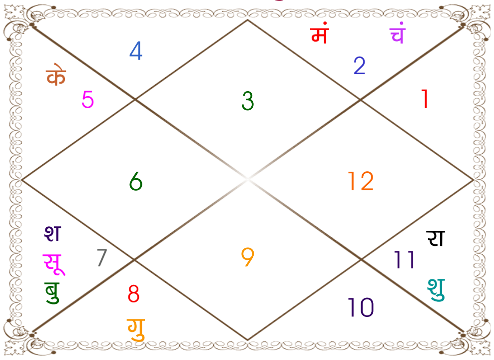

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 3 मास 22 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/05/2003		28/08/2011		28/08/2030		28/08/2047		28/08/2054	
28/08/2011		28/08/2030		28/08/2047		28/08/2054		28/08/2074	
	00/00/0000	शनि	31/08/2014	बुध	24/01/2033	केतु	25/01/2048	शुक्र	28/12/2057
	00/00/0000	बुध	10/05/2017	केतु	21/01/2034	शुक्र	26/03/2049	सूर्य	28/12/2058
	07/05/2003	केतु	19/06/2018	शुक्र	21/11/2036	सूर्य	01/08/2049	चंद्र	28/08/2060
केतु	11/07/2003	शुक्र	19/08/2021	सूर्य	27/09/2037	चंद्र	02/03/2050	मंगल	28/10/2061
शुक्र	11/03/2006	सूर्य	01/08/2022	चंद्र	27/02/2039	मंगल	29/07/2050	राहु	28/10/2064
सूर्य	28/12/2006	चंद्र	01/03/2024	मंगल	24/02/2040	राहु	16/08/2051	गुरु	29/06/2067
चंद्र	28/04/2008	मंगल	10/04/2025	राहु	12/09/2042	गुरु	22/07/2052	शनि	28/08/2070
मंगल	04/04/2009	राहु	15/02/2028	गुरु	18/12/2044	शनि	31/08/2053	बुध	28/06/2073
राहु	28/08/2011	गुरु	28/08/2030	शनि	28/08/2047	बुध	28/08/2054	केतु	28/08/2074

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/08/2074		28/08/2080		28/08/2090		28/08/2097		29/08/2115	
28/08/2080		28/08/2090		28/08/2097		29/08/2115		00/00/0000	
सूर्य	16/12/2074	चंद्र	28/06/2081	मंगल	24/01/2091	राहु	11/05/2100	गुरु	17/10/2117
चंद्र	16/06/2075	मंगल	27/01/2082	राहु	12/02/2092	गुरु	05/10/2102	शनि	29/04/2120
मंगल	22/10/2075	राहु	29/07/2083	गुरु	18/01/2093	शनि	11/08/2105	बुध	05/08/2122
राहु	15/09/2076	गुरु	27/11/2084	शनि	27/02/2094	बुध	28/02/2108	केतु	08/05/2123
गुरु	04/07/2077	शनि	28/06/2086	बुध	24/02/2095	केतु	18/03/2109		00/00/0000
शनि	16/06/2078	बुध	28/11/2087	केतु	23/07/2095	शुक्र	17/03/2112		00/00/0000
बुध	23/04/2079	केतु	28/06/2088	शुक्र	21/09/2096	सूर्य	09/02/2113		00/00/0000
केतु	28/08/2079	शुक्र	27/02/2090	सूर्य	27/01/2097	चंद्र	11/08/2114		00/00/0000
शुक्र	28/08/2080	सूर्य	28/08/2090	चंद्र	28/08/2097	मंगल	29/08/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 3 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।